सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-249 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, मंगलवार 13 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

'राइजिंग राजस्थान' के निवेश समझौतों को समयबद्ध पूर्ण कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध-भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान की देश-दुनिया में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में पहचान बनी है। समिट में हुए निवेश समझौतों के धरातल पर उतरने से राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निजी क्षेत्र में 6 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित करने के संकल्प को भी बल मिलेगा।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट के तहत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौतों को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजनाएं स्थापित करने में निवेशकों को सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट्स स्थापित करने की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए चरणबद्ध रूप से समय का निर्धारण करें और उन्हें तय अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि निवेशक अपने प्रोजेक्ट की प्रगति से समय-समय पर राज्य सरकार को अवगत कराएं। शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि निवेशकों और राज्य सरकार के सामंजस्य से परियोजनाएं समय पर मूर्त रूप लेंगी।

प्रत्येक परियोजना के लिए नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी-

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि सरकार और निवेशकों के बीच समन्वय के लिए प्रत्येक परियोजना के अनुसार एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। वे तय समय में परियोजना का पूर्ण होना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक माह सभी प्रस्तावों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा कर रही हैं। जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव स्तर तक मॉनिटरिंग कर कार्यों को गति दी जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पवन, हाइब्रिड, बैट्री स्टोरेज और पम्प स्टोरेज परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन व कनेक्टिविटी के कार्यों को गति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के उद्देश्य की पूर्ति में नवीनीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आगामी वर्षों में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने के लिए प्रयासरत है। सरकार सौर व पवन ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के साथ पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे नवाचारों पर भी जोर दे रही है।

निवेशकों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार, कहा- प्रदेश में निवेश के लिए बेहतरीन माहौल

इस अवसर पर निवेशकों ने अपने एमओयू पर कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शिता से धरातल पर उतारेंगे। निवेशकों ने अपने विभिन्न विषयों के समाधान पर मुख्यमंत्री की पहल पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्तमान सरकार के समय निवेश के लिए बेहतरीन माहौल बना है।

अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित एमओयू का क्रियान्वयन जारी-

बैठक में बताया गया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत 66.40 गीगावाट क्षमता की पवन तथा हाइब्रिड परियोजनाओं की स्थापना के लिए लगभग 4.23 लाख करोड़ रूपये के निवेश के 31 एमओयू हुए हैं। इनमें से 2 लाख करोड़ रूपये के निवेश के लिए 26 हजार 970 मेगावाट के 14 एमओयू की परियोजनाओं का पंजीकरण हो चुका है तथा 12 एमओयू के तहत कार्य की शुरूआत हो चुकी है।

समिट के तहत बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं के लिए 53 हजार 900 करोड़ रूपए के कुल 18 एमओयू हुए। इनमें बैट्री स्टोरेज मैन्यूफेक्चर्स के लिए 6 हजार 250 करोड़ रूपए के 5 और बैट्री स्टोरेज के लिए विकासकर्ताओं के साथ 47 हजार 650 करोड़ रूपए के 13 एमओयू हुए हैं।

पम्प भंडारण परियोजनाओं के लिए 1.52 लाख करोड़ रूपए के निवेश के साथ 20.5 गीगावाट के लिए 13 एमओयू हुए हैं। इनमें सीपीएसयू द्वारा 73 हजार 800 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 6 हजार 940 मेगावाट की क्षमता के 4 एमओयू, निजी विकासकर्ता द्वारा 78 हजार 67 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 13 हजार 600 मेगावाट की क्षमता के 9 एमओयू हुए हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित पवन, हाइब्रिड, पम्प स्टोरेज एवं बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं से संबंधित निवेशक उपस्थित रहे।

जन-जन तक पहुंचे राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ-उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को फागी पंचायत समिति में उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करें एवं स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य विभागीय फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने फागी विकास अधिकारी से पंचायत समिति में प्रक्रियाधीन और निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सहायक अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग को उपखण्ड में चल रहे सड़कों निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिये। जेवीवीएनएल के सहायक अभियंता से उपखण्ड में बिजली आपूर्ति की रिपोर्ट लेकर स्थगन व अन्य कारणों की वजह से लंबित कृषि कनेक्शनों को आपसी समझाइश से पूरा करने, विद्युत कनेक्शनों से वंचित घरों में कनेक्शन करने एवं पीएम सूर्य घर योजना के बारे में लोगों को जागरूक कर अधिक से अधिक लोगों को सौर ऊर्जा से लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने पीएचईडी के सहायक अभियंता से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जानकारी लेकर खराब हैंडपंपों

को सही करने, कुओं को चालू करने एवं पानी की नियमित आपूर्ति करने के निर्देश दिये। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, फागी से नगर पालिका के कार्यों की समीक्षा कर कस्बे में विकास कार्य, कस्बे के सौंदर्यकरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंदों को लाभान्वित करने तथा फागी कस्बे में नियमित रूप से साफ-सफाई कर कचरे के निस्तारण के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उपखण्ड के सभी अस्पतालों की स्थिति की समीक्षा कर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना का सभी पात्रों को लाभ दिलवाने, गर्मी के मौसम के मध्यनजर मेडिकल टीमों का गठन कर लागों की नियमित जांच कर आवश्यक दवाइयां देने के निर्देश दिये । उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर को उप जिला अस्पताल, फागी में सोनोग्राफी के चिकित्सक के रिक्त पद को भरने के निर्देश दिए।

उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को हर सप्ताह बैठक आयोजित कर सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं से आमजन को लाभान्वित करने एवं सुशासन हेतु समय पर विभागीय कार्य करने के निर्देश दिए।

मदन राठौड़ की विपक्ष को नसीहत, प्रश्न करना अधिकार है, लेकिन आलोचना करना सही नहीं

जयपुर। राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना बताते हुए कहा है कि ऐसे में विपक्ष को धैर्य रखने की भी जरूरत है। राठौड़ ने सोमवार को जयपुर मीडिया से बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर किए गए सवालों के जवाब में यह बात कही।

सेना की कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ

उन्होंने कहा कि प्रश्न करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन आलोचना करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की कुटनीतियों को उजागर किया जाए, यह भी जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवादियों को सबक सिखाने के साथ उनके प्रशिक्षण केंद्रों को ध्वस्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। इतना ही नहीं पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादियों को बनाने वालों को भी नेस्तनाबूद कर दिया गया। भारतीय सेना की कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ थी, इसी के चलते ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और अभी भी जारी है।

पाकिस्तान ने टेके घुटने

राठौड़ ने कहा कि देश के शीर्ष नेतृत्व ने यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान ने घुटने टेकते हुए चर्चा के लिए समय मांगा और हमारे नेतृत्व ने चर्चा के लिए समय दिया है। इसमें किसी की भी मध्यस्ता नहीं की गई। भारत का मकसद आ?तंकवादियों को सबक सिखाने का था और अपने मकसद में भारतीय सेना शत प्रतिशत सफल हुई। हालात यह हो गए कि जो बच गए, वो भी मौत मांग रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर भारतीय सेना ने आतंकवादी, आतंकवादियों के प्रशिक्षण केंद्र और आतंकवादियों को पनाह देने वालों के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है।

100 से ज्यादा आतंकी मारे

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत करीब सौ से अधिक आतंकवादियों को मारा गया है। राठौड़ ने कहा कि पाकिस्तान की विश्वसनीयता नहीं है, ऐसे में भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर जारी है। उन्होंने कंवरलाल मीणा की विधायकी के सवाल पर कहा कि कितने आश्यर्च की बात है कि कांग्रेस कंवरलाल मीणा की विधायकी पर सवाल कर रही है, जबकि एक विधायक 20 लाख रूपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता है और कांग्रेस पार्टी का एक भी नेता इस पर कुछ भी नहीं बोलता। क्या यह कांग्रेस का आपसी समझौता है, या मिलीभगत है या फिर बीएपी पार्टी से उनकी आपसी दोस्ती के चलते चुप्पी साधे हुए है। कांग्रेस को यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए।

जयपुर में बिजनेसमैन के घर डेढ़ करोड़ की लूट

नेपाल भागे नौकर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, महिला पर चाकू से हमला कर बांधकर ले गए थे जेवर

जयपुर । जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में हार्डवेयर-सेनेटरी बिजनेसमैन के घर हुई डेढ़ करोड़ की सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस ने घरेलू नौकर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने 3 मार्च को घर में अकेली मौजूद मकान मालकिन ज्योति अग्रवाल के हाथ-पैर बांध दिए और विरोध करने पर चाकू से हमला कर हीरे-जवाहरात और कीमती घड़ियां लूट ली थीं। वारदात के बाद आरोपी नेपाल भाग गए थे, जहां वे यात्रियों से मोबाइल मांगकर पुलिस की निगाह से बचने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपी -इंद्रजीत कुमार गुप्ता (29), अशोक मंडल (25), राधेश्याम मंडल (29), (तीनों बिहार के मधुबनी जिले के निवासी)।

पुलिस ने यूपी के आगरा और बिहार में दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (नॉर्थ) राशि डोगरा डूडी के अनुसार, आरोपियों पर ?25,000 का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से करीब 601 ग्राम डायमंड जड़ित सोने के आभूषण और दो महंगी घड़ियां बरामद की गई हैं।

वारदात की पूरी कहानी

विद्याधर नगर के अंबाबाड़ी में रहने वाले देवेंद्र अग्रवाल की हार्डवेयर और सैनेटरी की दुकान न्यू आतिश मार्केट में है। 3 मार्च की शाम को जब वे दुकान पर थे, तभी घर में एक दिन पहले रखा गया नया घरेलू नौकर अशोक मंडल अपने दो साथियों को लेकर पहुंचा। घर में अकेली मौजूद ज्योति अग्रवाल को पहले बांध दिया, मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर चाकू से हमला कर करीब 1.50 करोड़ रुपये के जेवर और कीमती वस्तुएं लूट लीं।

नेपाल भागे, मोबाइल से बचते रहे

लूट के बाद तीनों आरोपी पहले लखनऊ और फिर बिहार गए। वहां से नेपाल भाग गए, जहां उन्होंने खुद के मोबाइल बंद कर दिए और राहगीरों व यात्रियों से मोबाइल मांगकर संपर्क में रहते रहे ताकि पुलिस की पकड़ में न आएं। लेकिन पुलिस की तकनीकी टीम लगातार ट्रैकिंग में लगी रही। नेपाल में उनकी गतिविधियों की जानकारी मिलते ही उन्हें भारत लौटने पर दबोच लिया गया।

पुराना आपराधिक इतिहास भी उजागर

जांच में खुलासा हुआ है कि इंद्रजीत गुप्ता और राधेश्याम मंडल पहले भी जयपुर में घरेलू नौकर बनकर अलग-अलग कॉलोनियों में लूट की वारदातें कर चुके हैं। बजाज नगर और आदर्श नगर में भी ऐसे ही मामलों में वे संदिग्ध रह चुके हैं।

पुलिस की सक्रियता से मिली सफलता

विद्याधर नगर थाने के एसएचओ राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपियों को ट्रैक कर उत्तर प्रदेश के आगरा और बिहार में दबिश देकर गिरफ्तार किया। पुलिस कमिश्नरेट ने मामले को सुलझाने में तकनीकी शाखा की अहम भूमिका बताई है।

अहम बरामदगी = 601 ग्राम डायमंड जड़ित सोने के गहने, दो महंगी घड़ियां, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू

सवाल खड़े करती वारदात

महज एक दिन पहले रखा गया नौकर इतनी बड़ी साजिश में शामिल था, तो क्या उसकी पहले से रेकी चल रही थी?

क्या यह एक सुनियोजित गिरोह का हिस्सा है, जो देशभर में नौकर बनकर लूट करता है?

जयपुर पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि कहीं ये आरोपी किसी और बड़े नेटवर्क से जुड़े तो नहीं हैं, और बाकी कहां-कहां ऐसी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि लूट का पूरा माल बरामद किया जा सके और इनके नेटवर्क का खुलासा हो सके।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना

मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थी अब 18 मई तक कोचिंग संस्थान में उपस्थिति दे सकेंगे

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत मुख्य मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को अब 18 मई तक कोचिंग संस्थानों में उपस्थिति देने की अनुमति दे दी है, पूर्व में यह तिथि 11 मई निर्धारित की गई थी।

विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि योजना में चयनित अभ्यर्थी की एसएसओ आईडी में प्रदर्शित कोचिंग संस्थान में 18 मई तक अपनी उपस्थिति दर्ज होगी।

अग्रवाल ने बताया कि विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की

तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा यह योजना संचालित की जा रही है। सत्र 2024-25 के लिए विभाग द्वारा सूचीबद्ध कोचिंग संस्थाओं में नि:शुल्क कोचिंग किये जाने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी कर विभागीय जिलाधिकारियों से अभ्यर्थियों की पात्रता एवं उनके आवेदन में अपलोड किये गये दस्तावेजों के सत्यापन/जांच के बाद जिला धिकारियों द्वारा अनुमोदित किये गये आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की मुख्य मेरिट सूची जारी की जा चुकी है।

अग्रवाल ने बताया कि जारी की गई मुख्य मेरिट सूची विभागीय वेबसाइट www.sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार मुख्य मेरिट सूची जारी होने के उपरान्त अभ्यर्थियों को 10 दिवस के भीतर कोचिंग संस्थान में उपस्थिति दिए जाने का प्रावधान है।

RGHS में गलत भुगतान उठा तो SMS से तत्काल पता लगेगा, सरकार ने गड़बड़ी पकड़ने के लिए किया यह बड़ा बदलाव

जयपुर। अब पेंशनर्स को आरजीएचएस में उसके कार्ड से होने वाले प्रत्येक भुगतान की जानकारी योजना में रजिस्टर्ड मोबाइल पर एसएमएस से मिलेगी। गलत भुगतान उठा तो वह तत्काल शिकायत दर्ज करवाएगा ताकि जिम्मेदार अस्पताल या दवा की दुकान पर कार्रवाई की जा सके। शिकायत दर्ज नहीं करवाने पर माना जाएगा कि पेंशनर की भी इसमें सहमति है।

वित्त विभाग की ओर से योजना में किए गए बदलावों के संबंध में सोमवार को आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग में यह जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि लापरवाही बरतने के कारण कई पेंशनर के आरजीएचएस कार्ड और ओटीपी का दुरूपयोग हुआ। इस कारण अत्यधिक संख्या में दावे प्रस्तुत कर दिए गए।

'पेंशनर भी कर रहे दुरूपयोग'

जैन ने बताया कि कुछ पेंशनर्स द्वारा भी आरजीएचएस योजना के कैशलेस होने का गलत फायदा

अब पेंशनर्स को आरजीएचएस में उसके कार्ड से होने वाले प्रत्येक भुगतान की जानकारी योजना में रजिस्टर्ड मोबाइल पर एसएमएस से मिलेगी।

शासन सचिव वित्त व्यय नवीन जैन ने बताया कि इनमें कई अस्पतालों तथा दवा की दुकानों द्वारा समय-समय पर सुविधाओं को दिए बिना ही फोन पर ओटीपी प्राप्त कर भारी भुगतान ले लिया गया जिसकी वसूली की कार्यवाही अब की जा रही है।

उठाते हुए पात्रों के अतिरिक्त अन्य लोगों के लिए इलाज व दवाईयां प्राप्त करने का प्रयास किया गया। वर्ष के अंत के समय ओपीडी पर्चियां तैयार कर महंगी दवाईयां और इंजेक्शन प्राप्त किए गए। इसके लिए आवश्यक मेडिकल जांचें भी रेकॉर्ड में नहीं पाई गईं और न ही लाभार्थी की केस हिस्ट्री इसको प्रमाणित कर रही थी।

दवा या इलाज नहीं मिलने पर 181 नंबर पर दें सूचना

जैन ने बताया कि यदि कोई अनुमोदित अस्पताल या फार्मेसी की दुकान पेंशनर्स या उनके परिजनों को इलाज और दवाईयां देने से इनकार करते हैं तो इनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। ऐसी शिकायत तत्काल हेल्पलाइन 181 पर दर्ज कराएं। यदि सब पेंशनर्स मिलकर नियमानुसार आरजी एचएस योजना का लाभ लेंगे तो निश्चित रूप से सुविधाएं और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

भारतीय सेना के साहस को सलाम

लेखक-संजय गोस्वामी)

ऑपरेशन सिंदूर 25 जो बीते कुछ दिनों पहले हुई उसमें किसी के साहस हिम्मत और शौर्य को सलाम किया जाए तो वो निश्चित रूप से भारतीय सेनाओं को जाता है जिंदगी और मौत को बीच किसी की नहीं बल्कि देश की परवाह की आप सब टीवी पर देख रहे थे लेकिन जरा सोचिये बॉर्डर पर 24घण्टा डटे रहना कितना मुश्किल होता है ना खाने की चिंता ना सोने की ना ही परिवार की चिंता उसे आप कुछ समय के लिए अपने ऊपर ले कर देखें तो मालूम होगा कितना कठिन टास्क होता है इसलिए पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी और सीजफायर को तोड़ने के बाद भी के बादे भी पीछे ढकेला है तभी दोबारा सीजफायर पर बात बनी उनका शौक है बस तिरंगा, अपना देश और देश के प्रति समर्पण,की भावना है अमेरिका खुद ही अपनी तारीफ का पूल बांध रहा था तभी चीन ने पाकिस्तान को सपोर्ट कर दिया और पुनः पाकिस्तान को लगा, गेंद हमारे पाले में आ गया है और सीजफायर का उलंघन किया और जब पाकिस्तान को लगा सारा बेकार अस्त्र चीन से मिल रहें हैं जो मार गिराया जा रहा है तो बाद में थक कर सीजफायर को लागू करना पड़ा क्योंकि भारत का पाकिस्तान से नहीं वल्कि आतंकवादी से था जिन्होंने 9मई को 27से अधिक पर्यटक को बेरहमी से धर्म का झूठ फैलाकर हत्या कर दि अब ऐ सबाल आ रहा है कि भारत सरकार के सुरक्षा में चूक हुई लेकिन इजराइल पर जब हमास आतंकियों ने सैकड़ो लोगों से ज्यादा को क़त्ल कर दिया और 200को बंधक बना लिया जो 7अक्टूबर 23 में हुई लेकिन उसकी सबसे पावरफूल इंटेलीजेंन्सी मौसाद को भी खबर नहीं मिली देखिए इसमें होता क्या है आप किसी टूरिस्ट स्थान पर जा रहें हैं तो वहाँ मुश्किल से 2 -4 सुरक्षाकर्मी रहते हैं सब जगह कहाँ देखा होगा वो तो वहाँ के लोगों के विश्वास पर जाते हैं जिसकी अधिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है और जहाँ तक ऐ कहा जाता है मालूम था तो बताना चाहिए था सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि प्राइममिनिस्टर की हाई लेवल सुरक्षा रहती है और वो किसी कार्यक्रम के उद्देश्य से जाते हैं जरा सी चूक भारी पर सकती है और मान लीजिये बता दिया और आतंकवादी को पता चल गया तो वो सतर्क हो जायेंगे और आप ही कहेंगे रूइमर था गलत था अतः आतंकवादी भी अपनी पूरी ट्रैनिग से आते हैं और स्थानीय लोगों से बिना मिले ऐ संभव नहीं होता है जब क़ोई उसको वहाँ टिकाया होगा तो ऐ देश के साथ गद्दारी है जम्मू काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है फिर भी पता नहीं क्यों पाकिस्तान ने इसे भी अपना दावा करता है जो खुद ही काश्मीर के कुछ हिस्सों को कब्जे में लिए हुए है और पता नहीं क्यों अमेरिका भी बेबजह इसे मुद्दा बनाता आ रहा है यही सब गलतफहमी के कारण आतंकवादी को पैर पसारने का मौका मिल गया और पाकिस्तान की सेना व आईएसआई उसका पाल पोषण बड़े प्यार से करती आ रही है अतः ऑपरेशन सिंदूर भारत को ऐ भी सिखाया है कि अब उन सब पर रहम ना करो जो बुरे वक़्त में आतंकवादी का साथ देते हैं तुर्की जब वहाँ भारी भूकंप आया तो भारत ने सबसे पहले अपनी आपदा टीम को भेजी थी लेकिन उसने पाकिस्तान को ड्रोन और जंगी जहाज मुहैया कराया और अमेरिका ने पाकिस्तान को आई एफम विश्व बैंक से हजारों करोड़ का लोन भी दिला दिया जो दिवालिया था अतः अब भारत का सही में क़ोई दोस्त है तो रूस और इजराइल जो हमेशा भारत के साथ खड़ा नजर आता है चीन से तो क़ोई सामान खरीदना ही नहीं चाहिए भारत के पास था रूस का स400 डिफेन्स सिस्टम जो बहुत से ड्रोन और मिसायल को मार गिराया आज सब भारत के नए एयर डिफेंस सिस्टम स400 की बात कर रहे है जिसने सीमा पर घनघोर युद्ध आरंभ होते ही दुश्मनो द्वारा दागी गई एक भी मिसाइल या ड्रोन को भारतीय सरजमीं पर गिरने से पहले ही अद्भुत तरीके से मार गिराया द्य इस सिस्टम ने जो कमाल कर दिखाया है उसको देख देख कर अगर आपको गर्व महसूस हो रहा है तो इस व्यक्ति को जी भर के याद करना और हमेशा अपने दिलो में बसाए रखना भारतीय सेना के साहस को सलाम के साथ पूर्व के रक्षा मंत्री को भी सलाम. यही तो मां भारती का वो सपूत था द्य यही तो वो दूरदर्शी और हीरे को पहचानने की पारखी नजर रखने वाला जौहरी था जिसने रक्षा मंत्री रहते हुए सबसे पहले स400 एयर डिफेंस सिस्टम की खूबियों को बखूबी पहचान लिया था और स400 को भारत की रक्षा के लिए खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी वक्त से पहले भारत का ये अनमोल नगीना हमसे बिछड़ गया द्य स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर जी को ये कृतज्ञ देश भारत हमेशा याद रखेगा द्य कुछ लोग चले जाते है और फिर लौट के नहीं आते....पर देश के लिए ऐसा कर जाते हैं कि देश सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहता है। सादर नमन ऐसे दूरदर्शी सोच के नेता के लिए जिन्होंने आगे आने वाले खतरे से देश को उत्तम एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की नींव रखी जिसने सरहद की रक्षा की है हालांकि भारत के डी आर डी ओ द्वारा बनाए गए एयर डिफेंस सिस्टम भी जो भारत द्वारा निर्मित थे वो भी कारगर साबित हुए इसमें कुछ मीडिया ने गलत सूचना या डिफेन्स के बिना जानकारी के सूचना दि वो सही नहीं है ऐ एक सामरिक प्रणाली है हमें इसके बारे में कभी पब्लिक में शेयर नहीं करते हैं जैसे किसी ने ब्रमोहस्थ मिसाईल की सूचना दि और उसकी खासियत भी बता दि जिससे विरोधी देश अब उसकी तोड़ को निकालना चाहेगा, बस सिर्फ ताकत देखो और उसकी जानकारी सेना के प्रवक्ता पर छोड़ दीजिये कभी सेना के प्रवक्ता उसकी पूर्ण जानकारी साझा नहीं करेंगे ऐ सुपरसोनिक है या हायपरसोनिक इससे हमें क्या मतलब हम जंग में अपनी बहादुरी और टेक्नोलॉजी दोनों का इस्तेमाल कर रहें हैं और हमारा लक्ष्य टारगेट को हिट किया बस इतना ही बताना चाहिए युद्ध में आजकल एक देश दूसरे देश पर फोस्फोरस बम का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कभी बोलते नहीं है किस मिसायल की मारक क्षमता कितनी है इसे हम जानकारी साझा क्यों करें, अमेरिका केवल ट्वीट ही किया बीच में कूद पड़ा ऐ सही नहीं है भारत एक आत्मनिर्भर देश है और 140 करोड़ लोगों का शांतिपूर्ण देश है और कभी किसी देश की आत्मरक्षा को बनाए रखता है और मित्रता चाहता है पहले जो 2008 में मुंबई में आतंकी हमले हुए वो तो कितनों का जान ले लिया और इसकी रूपरेखा 6महीने पहले से ताज होटल में बारूद रखें गए उस समय पाकिस्तान का पूरा हाथ था लेकिन उस समय केवल डोसीयर सौंप कर ही अपने घुटने टेक दिए लेकिन भारत एक लोकतान्त्रिक देश है अतः इसका दोष अपने ऊपर ही आता है क्योंकि सरकार आप चुनते हैं अतः हमें हमेशा लोकतान्त्रिक प्रक्रिया पर विश्वास करना चाहिए किसी भी समस्या के लिए पूरा देश उसमें हिस्सा लेता है अतः इसका दोष सरकार पर देने से क़ोई फायदा नहीं है अगर आपको अच्छा लगता है तो चुनना नहीं तो मत चुनना लेकिन एक चीज हमेशा याद रखना भारत की सेना ही हमारी रक्षा करती है पहले लड़ाकू विमानरूस के पुराने सब मिग 21,1978 के ज़माने के थे और अब फांस का भारत द्वारा 36 राफेल विमानों से लैस है, जो भारत सरकार और जेट विमानों के फांसीसी निर्माता डसॉल्ट के बीच हुए सौदे के तहत 2020 और 2022 के बीच वितरित किए गए अतः देश अब रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और डिफेन्स ही आपके देश को एक ताकतवर देश बना सकती है और ताकत के दम पर ही आपका डंका विश्व में बजेगा देश के पूर्व राष्ट्रपति अबुल कलाम ने देश को बहुत सी मिसायल टेक्नोलॉजी दि है मुस्लिम होते हुए भी एक सच्चा हिंदुस्तानी यही हमारी देश की ताकत है जो शत्रु के पूर्ण रूप से मिट्टी में मिलाएगा,हमारे जो निर्दोष नागरिक के रक्त को बहाया है तो उसका अंजाम भी भुगतना पड़ेगा इंडियन आर्मी में भर्ती इतनी आसानी से नहीं होता है ऑपरेशन सिंदूर 25 जो बीते कुछ दिनों पहले हुई उसमें किसी के साहस हिम्मत और शौर्य को सलाम किया जाए तो वो निश्चित रूप से भारतीय सेनाओं को जाता है जिंदगी और मौत को बीच किसी की नहीं बल्कि देश की परवाह की आप सब टीवी पर देख रहे थे लेकिन जरा सोचिये बॉर्डर पर 24घण्टा डटे रहना कितना मुश्किल होता है ना खाने की चिंता ना सोने की ना ही परिवार की चिंता उसे आप कुछ समय के लिए अपने ऊपर ले कर देखें तो मालूम होगा कितना कठिन टास्क होता है इसलिए पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी और सीजफायर को तोड़ने के बाद भी भारतीय सेना ने पीछे ढकेला है तभी दोबारा सीजफायर पर बात बनी उनका शौक है बस तिरंगा, अपना देश और देश के प्रति समर्पण,की भावना है अमेरिका खुद ही अपनी तारीफ का पूल बांध रहा था तभी चीन ने पाकिस्तान को सपोर्ट कर दिया और पुनः पाकिस्तान को लगा, गेंद हमारे पाले में आ गया है और सीजफायर का उलंघन किया और जब पाकिस्तान को लगा सारा बेकार अस्त्र चीन से मिल रहें हैं जो मार गिराया जा रहा है तो बाद में थक कर सीजफायर को लागू करना पड़ा. क्योंकि भारत का पाकिस्तान से नहीं वल्कि आतंकवादी से था जिन्होंने 9मई को 27से अधिक पर्यटक को बेरहमी से धर्म का झूठ फैलाकर हत्या कर दि अब ऐ सबाल आ रहा है कि भारत सरकार के सुरक्षा में चूक हुई लेकिन इजराइल पर जब हमास आतंकियों ने सैकड़ो लोगों से ज्यादा को क़त्ल कर दिया और 200को बंधक बना लिया जो 7अक्टूबर 23 में हुई लेकिन उसकी सबसे पावरफूल इंटेलीजेंन्सी मौसाद को भी खबर नहीं मिली देखिए इसमें होता क्या है आप किसी टूरिस्ट स्थान पर जा रहें हैं तो वहाँ मुश्किल से 2 -4 सुरक्षाकर्मी रहते हैं सब जगह कहाँ देखा होगा वो तो वहाँ के लोगों के विश्वास पर जाते हैं जिसकी अधिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है और जहाँ तक ऐ कहा जाता है मालूम था तो बताना चाहिए था सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि प्राइममिनिस्टर की हाई लेवल सुरक्षा रहती है और वो किसी कार्यक्रम के उद्देश्य से जाते हैं जरा सी चूक भारी पर सकती है और मान लीजिये बता दिया और आतंकवादी को पता चल गया तो वो सतर्क हो जायेंगे और आप ही कहेंगे रूइमर था गलत था अतः आतंकवादी भी अपनी पूरी ट्रैनिग से आते हैं और स्थानीय लोगों से बिना मिले ऐ संभव नहीं होता है जब क़ोई उसको वहाँ टिकाया होगा तो ऐ देश के साथ गद्दारी है जम्मू काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है फिर भी पता नहीं क्यों पाकिस्तान ने इसे भी अपना दावा करता है जो खुद ही काश्मीर के कुछ हिस्सों को कब्जे में लिए हुए है और पता नहीं क्यों अमेरिका भी बेबजह इसे मुद्दा बनाता आ रहा है यही सब गलतफहमी के कारण आतंकवादी को पैर पसारने का मौका मिल गया और पाकिस्तान की सेना व आईएसआई उसका पाल पोषण बड़े प्यार से करती आ रही है ..

संपादकीय

गोली चली तो गोला

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

सत्य, भक्ति और संवाद के अग्रदूत देवर्षि नारद

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(देवर्षि नारद जयंती (13 मई) पर विशेष)

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात् इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात् पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 13 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

विचार मंथन

न्यायमूर्ति वर्मा - इस्तीफा या महाभियोग?

(लेखक- सनत जैन)

देश की न्यायिक प्रणाली उस मोड़ पर खड़ी है, जहां नैतिकता, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश का आचरण परखा जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर भारी मात्रा में नकदी बरामद होने और उसके बाद शुरू हुई जांच ने न्यायपालिका की छवि पर गहरा असर डाला है। जब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर उनसे इस्तीफा देने को कहा, तो यह स्पष्ट था, कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं, नैतिक दृष्टि से न्यायपालिका के लिए गंभीर मामला है। न्यायमूर्ति वर्मा ने यह कहते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया कि यह उनके आत्मसम्मान के खिलाफ है। उनके खिलाफ साजिश रची गई है। यह बयान उस विश्वास को और चोट पहुंचाता है, जो देश की जनता न्यायपालिका पर भगवान के समान आस्था रखती है। जब आरोप इतने गंभीर हों, हाईकोर्ट के तीन मुख्य न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट भी आरोप की पुष्टि करे, तब यह तर्क कि 'यह साजिश है। एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अपर्याप्त कारण प्रतीत होता है। अब सवाल उठता है क्या न्यायमूर्ति वर्मा महाभियोग के जरिए हटाए जाएंगे, या अंतिम समय पर इस्तीफा देंगे? भारत का संविधान इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाना अत्यंत कठिन और दीर्घ कालीन प्रक्रिया है, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। यह लोकतंत्र की मजबूती और न्यायपालिका की स्वायत्तता का प्रतीक है। ऐसे मामलों में यह प्रक्रिया विलंब का कारण भी बन जाती है। वहीं वर्तमान संदर्भ में दोषियों को संरक्षण देने का काम भी करती है। इस संकट के समय में हमें यह नहीं भूलना चाहिए, कि संविधान सर्वोपरि है। न्यायपालिका ही सर्वोच्च संस्था है जो संविधान के अनुसार गुण और दोष के आधार पर फैसला करती है। न्यायपालिका की सर्वोच्चता का अर्थ यह नहीं कि वह जवाबदेही से मुक्त है। एक न्यायाधीश का आचरण न केवल उसके पद के अनुरूप गरिमा तय करता है बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ होता है। आज देश की निगाहें इस घटनाक्रम पर हैं। अगर न्यायमूर्ति वर्मा स्वयं त्यागपत्र देकर उच्च नैतिक मानदंड स्थापित करते, तो यह एक उदाहरण बनता। यदि उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, तो महाभियोग ही वह रास्ता है जो यह सिद्ध करेगा, भारत में कानून से ऊपर कोई नहीं है। यह अवसर है, न्यायपालिका के आत्ममंथन का, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायपालिका की सर्वोच्चता को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। न्यायपालिका की जवाबदेही को मजबूत बनाए रखने के लिए संसद के पास यह मामला भेजा है। वह जज के मामले में उपयुक्त निर्णय लें। अगर न्याय के मंदिर को लेकर अविश्वास आ जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगा सकती है। न्यायपालिका के प्रति आम नागरिकों की आस्था बनी रहे। विधायिका और कार्यपालिका के साथ-साथ न्यायपालिका भी अपना काम संविधान की भावना के अनुरूप आचरण करते हुये संविधान के नैतिक सिद्धांतों के आधार पर निर्णय करेंगे, तभी संविधान की रक्षा हो सकेगी। न्यायपालिका ने यह कार्यवाही कर साबित कर दिया है, न्यायपालिका की भी जवाबदेही संविधान के प्रति है। उसे भी संविधान के अनुसार अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ कार्य करना होता है। न्यायाधीश यदि अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं, तो वह भी दंडित होने के पात्र हैं। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश 13 मई को सेवानिवृत होने जा रहे हैं। उसके पहले उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा किया है। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा पर उपयुक्त कार्यवाही करने के लिए लिखा है। निश्चित रूप से इससे न्यायपालिका की साख बनी रहेगी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज संविधान के न्याय सिद्धांतों के आधार पर बिना किसी दबाव, बिना किसी भय और लालच के न्याय कर सकें।

संविधान ने जो दायित्व न्यायपालिका को सोंपा है, उसके अनुसार नागरिकों के मूल अधिकारों को संरक्षित कर पाएंगे, यह आशा की जाती है।

राम मंदिर परिसर में 14 देवालयों पर पांच जून को होगी प्राण प्रतिष्ठा

101 आचार्य कराएंगे ये अनुष्ठान

अयोध्या।

पांच जून, दिन गुरुवार, पर्व गंगा दशहरा... यह तारीख अब केवल पंचांग में नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृत के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर एक नहीं, पूरे 14 देवालयों में एक साथ प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। यह आयोजन केवल मूर्तियों को जीवंत करने का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा को पुन- धर्ममय करने का होगा। प्राण प्रतिष्ठा के क्रम में सबसे पहले शिवलिंग की प्रतिष्ठा होगी। राम जन्मभूमि परिसर में श्रीराम के साथ शिव भी पूजित-प्रतिष्ठित होंगे।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर रामनगरी एक बार फिर आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक चेतना की अद्वितीय गवाह बनेगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की रूपरेखा बन रही है। तीन से पांच जून यह उत्सव होगा। हालांकि पूजन का क्रम 30 मई से ही शुरू हो जाएगा। काशी व अयोध्या के 101 आचार्य प्राण प्रतिष्ठा कराएंगे। 30 मई को ही परकोटा के शिव मंदिर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शिव वास जरूरी होता है। 30 मई को शिव वास रहेगा, जिसके चलते इसी दिन शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कर ली जाएगी। इसके बाद 13 विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा गंगा दशहरा पर होगी।

सात दिवसीय अनुष्ठान के क्रम में पंचांग पूजन, वेदी पूजन, यज्ञ मंडप पूजन, अग्नि स्थापना, जल यात्रा होगी। यज्ञ मंडपम पूजन से अनुष्ठान का शुभारंभ होगा। इसके बाद जलाधिवास, औषधिवास सहित अन्य अधिवास होंगे। इस दौरान वैदिक आचार्य विभिन्न मंत्रों का जप, वाल्मीकि रामायण का पाठ, चारों वेदों का पाठ, रामचरित मानस का पारायण सहित अन्य अनुष्ठान करते रहेंगे।

मंदिरों में देव विग्रह की स्थापना के लिए संगमरमर के पत्थर के दो फीट ऊंचे सिंहासन भी बनाए गए हैं। इसी सिंहासन पर देव विग्रहों को प्रतिष्ठित किया जाएगा।

इन मंदिरों में होगी प्राण प्रतिष्ठा

परकोटा के छह मंदिर- भगवान शिव, सूर्य, गणपति, हनुमान, माता भगवती, माता अन्नपूर्णा

सप्त मंडपम के सात मंदिर- महर्षि वशिष्ठ, वाल्मीकि, अगस्त्य, विश्वामित्र, अहिल्या, शबरी, निषादराज

शेषावतार मंदिर में लक्ष्मण की मूर्ति

चार फुट ऊंचा होगा शिवलिंग

ओंकारेश्वर की नर्मदा का भी अयोध्या में रामलला के मंदिर से आध्यात्मिक जुड़ाव होगा। ओंकारेश्वर में नर्मदा से प्राप्त शिवलिंग परकोटे में निर्मित शिव मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा। यह शिवलिंग पिछले साल 22 अगस्त को अयोध्या लाया गया था। यह

चमकदार हल्के लाल रंग के शिवलिंग के रूप में है। इसकी ऊंचाई 48 इंच, चौड़ाई 15 इंच और व्यास 68 इंच है।

संक्षिप्त समाचार

भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ जारी रहेगी: सीएम माणिक साहा

गोमती। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ भविष्य में भी जारी रहेगी। साहा ने बताया कि सुरक्षा और अन्य एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव के मद्देनजर राज्य और केंद्र सरकार के साथ समन्वय के साथ काम करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर सीमा सुरक्षा में समन्वय बनाए रखने का अनुरोध किया। साहा ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ काम कर रहे हैं और स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। त्रिपुरा में स्थिति सामान्य है, लेकिन सीमा सुरक्षा जोरदार है। बीएसएफ के अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बलों ने हिंसा और अशांति शुरू होने के बाद सतर्कता बढ़ाई है। वे बताए कि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा मजबूत कर दी गई है और सीमा की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी सीमावर्ती इलाकों का दौरा करते हैं और सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं।

भुज में देश विरोधी पोस्ट पर कार्रवाई, आरोपी को गिरफ्तार किया

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले के भुज में साइबर क्राइम पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जो सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट करने के आरोपी थे। आरोपी अनीस बाबिद अली भान ने भारत के हित में नहीं बल्कि देश के विरुद्ध भावना फैलाने का प्रयास किया था। पुलिस के अनुसार, यह स्टेटस पोस्ट उस समय किया गया था, जब हाल ही में हुए हमले के बाद दोनों देशों के बीच संवेदनशील स्थिति थी। गिरफ्तारी के बाद युवक के खिलाफ धारा 152 के तहत अपराध पंजीकृत किया गया है। इसके पहले झारखंड में भी एक युवक गिरफ्तार किया गया था, जिसने सोशल मीडिया पर आतंकवादी संगठन का झंडा लहराया था। यह मामला भाजपा विधायक चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह की शिकायत पर उठाया गया था। गिरफ्तार युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है और पुलिस द्वारा जांच जारी है। ये घटनाएं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के संदेश के रूप में प्रमुख उदाहरण हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़ा अभियान- अवैध धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर

नेपाल सीमा से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों पर की कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध धार्मिक स्थलों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों मदरसों, मस्जिदों, मजारों और ईदगाहों को चिह्नित कर उन्हें सील करने और ढहाने की कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस अभियान को व्यापक रूप से लागू किया गया है। अभियान के तहत पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में कई अवैध धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की गई है। सार्वजनिक और निजी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित मदरसों, मस्जिदों, मजारों और ईदगाहों को सील किया गया है। मुख्यमंत्री योगी का कहना है कि धर्म के नाम पर भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। यह अभियान नेपाल सीमा से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की गई है। सरकार द्वारा यह कदम उचित माना जा रहा है और इसका मकसद सार्वजनिक सुरक्षा और कानून एवं नियमों का पालन बनाए रखना है।

सीजफायर के बाद जनजीवन पटरी पर लौटा, गुजरात से राजस्थान जाने वाली ट्रेनें भी बहाल

अहमदाबाद। भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुई सीजफायर डील के बाद रविवार को गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में हालात सामान्य रहे। सरहदी गांवों और कस्बों में दुकानें और होटलें दोबारा खुलने लगी हैं और सड़कों पर लोगों की आवाजाही में इज़ाफ़ा हुआ है। लोग अब धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौटते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा कारणों के चलते गुजरात से राजस्थान जाने वाली कई नाइट ट्रेनें शनिवार को रद्द कर दी गई थीं, लेकिन अब इन्हें फिर से बहाल कर दिया गया है। इससे दोनों राज्यों के बीच संपर्क पुनः सामान्य हो गया है। रविवार को किसी भी शहर में ब्लैकआउट के निर्देश नहीं दिए गए, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, शनिवार शाम सीजफायर की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने गुजरात के कच्छ इलाके में फिर से हमला करने की कोशिश की थी, जिसके चलते भुज, जामनगर और द्वारका के 94 गांवों में रातभर ब्लैकआउट रखा गया था।

सीमा पर शांति, लेकिन घर लौटने से अब भी डर रहे लोग, गांवों में खतरे का साया, सेना और पुलिस अलर्ट पर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पहली बार भारत-पाकिस्तान सीमा पर शांति देखी गई है। शनिवार को हुए सीजफायर समझौते के बावजूद कुछ ही घंटों में पाकिस्तान ने फिर से इसका उल्लंघन किया। भारत की सख्त चेतावनी के बाद स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। 19 दिनों बाद पहली बार शनिवार रात सीमा पर पूरी तरह से सन्नाटा और शांति रही, लेकिन इसका असर सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों की मनःस्थिति पर अब भी साफ देखा जा सकता है, लोग अपने घरों को लौटने से कतरा रहे हैं। कश्मीर के उरी सेक्टर में स्थित गांवों के लोगों को हालिया हमलों के बाद सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया था। रविवार को जब वे घर वापसी की तैयारी में थे, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बताया गया कि उनके गांवों के आसपास धमाके का खतरा अभी भी बना हुआ है, क्योंकि कई बम और गोला-बारूद निष्क्रिय नहीं हुए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर साफ किया है कि सरकारी अनुमति मिलने तक कोई भी व्यक्ति अपने गांव में न लौटे। आम लोगों को ऐसे हालत में भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ स्तर की वार्ता से खासी उम्मीदें हैं, जिससे आगे की स्थिति को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है। सेना की रिपोर्ट के अनुसार, अखनूर, राजौरी, पुंछ, उरी, श्रीनगर और जम्मू जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी बीती रात कोई गोलीबारी नहीं हुई और हालात सामान्य नजर आए। पंजाब के अमृतसर, राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में भी शांति बनी रही। इससे पहले इन क्षेत्रों में पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन के हमले हुए थे, जिनमें कई गांव प्रभावित हुए थे। सेना ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, और अगर पाकिस्तान ने कोई नई हरकत की, तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। सेना और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

देश की सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह तैनात

पांच वर्षों में 52 उपग्रह लॉन्च करेगा भारत

इसरो प्रमुख वी. नारायणन का बड़ा खुलासा

इम्फाल।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए 10 उपग्रह लगातार देश की निगरानी कर रहे हैं। यह उपग्रह देश की सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, खासकर सीमा क्षेत्रों पर। यह बयान उन्होंने मणिपुर के इम्फाल में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिया। डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि इन उपग्रहों का उपयोग रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ तनाव के समय में देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए। इन उपग्रहों के माध्यम से सीमा की निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं का प्रबंधन और सुरक्षा बलों को सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसरो प्रमुख ने एक और बड़ी योजना का खुलासा किया कि भारत 2040 तक अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करेगा और देश को एक वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनाएगा। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अब तक 34 देशों के 433 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुका है।

यह भारत की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता और वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसरो का उद्देश्य न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूत करना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को भी मजबूत करना है। हाल ही में लॉन्च किए गए ईओएस-09 (रिसैट-1बी) उपग्रह का भी जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह उपग्रह दिन-रात और हर मौसम में इमेजिंग क्षमता रखता है। यह उपग्रह न केवल सुरक्षा बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन और अन्य नागरिक कार्यों में भी मददगार साबित हो रहा है। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो अगले पांच वर्षों में 52 उपग्रहों का एक समूह लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इनमें से कई उपग्रह सुरक्षा और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए होंगे। इसके अलावा, इन उपग्रहों को लॉन्च करने में निजी क्षेत्र की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होगी, जिससे देश में अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

इसरो की यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग को दर्शाती है।

सीमा सुरक्षा से लेकर आपदा प्रबंधन तक, भारत के उपग्रह देश की सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसरो की यह पहल भारत को अंतरिक्ष में और मजबूत बनाएगी।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाया, मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर युवकों को हिरासत में लिया

मुंबई।

महाराष्ट्र के पवई में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ ड्रोन उड़ाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी ने मुंबई पुलिस आयुक्त के आदेशों का उल्लंघन किया।

दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के कारण मुंबई पुलिस आयुक्त ने शहर में अनधिकृत ड्रोन संचालन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, शहर के नियंत्रण कक्ष को 12 मई को सुबह 12:30 बजे एक कॉल आई, जिसमें बताया गया कि पवई इलाके में साकी विहार रोड पर स्थित एक ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। अलर्ट पर त्वरित कार्रवाई कर पवई पुलिस मौके पर पहुंची और अधिक जानकारी जुटाने के लिए कॉल करने वाले से बात की।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि ड्रोन को पवई निवासी 23 वर्षीय अंकित ठाकुर चला रहा था, जो मूल रूप से हैदराबाद का निवासी है। पुलिस ने ड्रोन सहित युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने ले गई।

पूछताछ के दौरान अंकित ने बताया कि उसने एक साल पहले ड्रोन खरीदा था, लेकिन वह काम नहीं कर रहा था। हाल ही में ठीक करने के बाद ड्रोन का परीक्षण करते समय उसमें खराबी आ गई, जिसके कारण वह गिर गया। अंकित ने स्वीकार किया कि ड्रोन उड़ाने के लिए अधिकारियों से कोई अनुमति नहीं ली थी, जिससे मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा ड्रोन संचालन के संबंध में जारी निषेधाज्ञा का उल्लंघन हुआ। इसके आधार पर पवई पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, ऐतिहासिक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का बड़ा फैसला किया है। यह निर्णय 10 मई के युद्धविराम के बाद भी हुआ है। इसका मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बताया गया है। उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक और ऑपरेशन सिंदूर की समीक्षा के बाद यह स्पष्ट किया है कि सिर्फ युद्धविराम पर्याप्त नहीं, पाकिस्तान को पहले आतंकवाद के समर्थन से स्पष्ट और अपरिवर्तनीय दूरी बनानी होगी।

पाकिस्तान पर क्यों बढ़ा दबाव?

सरकार के सूत्रों के मुताबिक, भारत ने सिंधु संधि की सद्भावना और अच्छे पड़ोसी संबंधों वाली

प्रस्तावना के उल्लंघन का हवाला देकर संधि को स्थगित किया है। पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमलों, मिसाइल हमलों और पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए) ने भारत को यह सख्त कदम उठाने पर मजबूर किया।

भारत का स्पष्ट संदेश-

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए तैयार नहीं, क्योंकि बात करने को कुछ है ही नहीं। डीजीएमओ स्तर की वार्ता ही एकमात्र सैन्य संवाद माध्यम बना हुआ है। यदि इसके बाद भी पाकिस्तान ने किसी भी प्रकार की आक्रामकता दिखाई, तब भारत सैन्य जवाब देने से नहीं हिचकेगा।

वहीं सिंधु संधि की पुनर्बहाली तब ही होगी जब पाकिस्तान आतंकवाद के समर्थन को सार्वजनिक और स्थायी रूप से त्याग देगा। भारत चाहता है कि पाकिस्तान यह दिखाए कि वह एक जिम्मेदार पड़ोसी और अंतरराष्ट्रीय साझेदार है।

भारत ने पाक के एयर डिफेंस सिस्टम तबाह किए तो पाक मांगने लगा माफी

पाक डीजीएमओ का भारत डीजीएमओ को आया फोन, हमले बंद करने की कही बात

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। इस को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को दूर करने के लिए उचित कदम उठाने और स्थिति से गंभीरता से निपटने का आह्वान किया। हालांकि भारतीय वायुसेना ने बीते 4 दिनों पाकिस्तान के लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया।

इसके अलावा उसके 3 एयरबेस पर भी हमले किए और पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। पाकिस्तान को बर्बाद होता देख पीएम शहबाज शरीफ माफी मांगने लगे और सीजयफायर की अपील की। भारत ने पाकिस्तान के जिन चार एयरबेस को निशाना बनाया, इनमें मुरीद चकवाल एयरबेस, नूर खान एयरबेस, रहीम यार खान एयरबेस और रफीकी एयरबेस शामिल थे। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को नाकाम कर दिया, जिसकी वजह से पाकिस्तान डर गया। इस बीच शनिवार दोपहर को पाकिस्तान डीजीएमओ का भारत के डीजीएमओ फोन आया। दोनों के बीच सहमति बनी की कि कोई हमला नहीं करेगा। 12 मई को फिर से दोनों देशों के डीजीएमओ बात करेंगे। भारत-पाकिस्तान की सीजफायर की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ पर एक पोस्ट के जरिए की थी। उन्होंने लिखा कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात तक चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, भारत ने सीजफायर के लिए अपनी शर्त भी रखी, जिसको अमेरिका ने माना। इससे पहले भारत ने साफ शब्दों में कहा था कि अगर सीमा पर से कोई भी हमला होता है तो उसे युद्ध माना जाएगा।वहीं भारत के हमले को देखकर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अमेरिका को फोन लगाकर सीजफायर की मांग करने लगे, जिसके बाद मार्को रोबियो ने भारत कॉल लगाकर सारी बात बताई और सीजफायर पर सहमति मांगी।

सीजफायरः अमेरिका को थी अर्थव्यवस्था की चिंता, तभी ट्रंप बीच में आए

नई दिल्ली।

भारत जिस तरह से पाकिस्तान को मटियामेट कर रहा था उससे अमेरिका की चूलें हिल गईं। उसे लगा कि इससे कई देशों की इकॉनोमी बैठ जाएगी। कई वजहों में से एक वजह इकॉनोमी चिंता भी अमेरिका को बीच में खींच लाई और बातचीत के बाद सीजफायर करा दिया गया। टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को अचानक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप ने यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के विदेश मंत्री एस जयशंकर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत के बाद की। पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कड़े तेवरों के बाद पूरी दुनिया टेंशन में आ गई थी। ऐसे में अमेरिका का बीच-बचाव के लिए आना लाजिमी हो गया था। इसके बहुत सारे आर्थिक पहलू हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रही है। अमेरिका पर मंदी के बादल छाए हुए हैं। ऐसे समय में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता को और बढ़ा सकता था। इससे अमेरिका सहित तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता। अपनी तरक्की से भारत ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बना हुआ है। भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। अमेरिका के लिए वह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। इसके उलट पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकटग्रस्त है। ऐसे हालात में अमेरिका के लिए भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना आर्थिक रूप से अधिक फायदेमंद है। अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत संघर्ष में पाकिस्तान से उलझ जाए। यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा सकता था। अमेरिका भारत के साथ बहुत जल्द एक समझौता करने वाला है। किसी भी तरह का तनाव भारत में निवेश के माहौल को बिगाड़ सकता था। ट्रंप ने बताया, अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात चली बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो

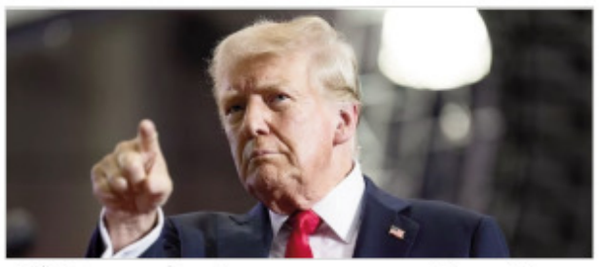

रही है कि भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। आतंकवाद और आतंकियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की, वह अलग ही लेवल की थी। इससे बढ़ता तनाव वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना जा रहा था। इससे स्वाभाविक रूप से दुनिया चिंतित हो गई थी। अमेरिका का हस्तक्षेप बिना किसी कारण के नहीं था। पाकिस्तान के साथ भारत के बढ़ते संघर्ष से अमेरिका के आर्थिक हित प्रभावित हो सकते थे। अस्थिरता के कारण व्यापार और निवेश पर नकारात्मक असर पड़ सकता था। इसके अलावा, क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने से तेल की कीमतें भी प्रभावित हो सकती थीं। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता।

बदहाल पाकिस्तान की चाटुकारिता करने में कसर नहीं छोड़ रहा चीन, बोल रहा है झूठ

नई दिल्ली।

पाकिस्तान तो जाना माना कंगाल और बदहाल है। उसके पास न तो खोने के लिए कुछ है और न ही किसी को कुछ देने के लिए। इसके बाद भी चीन अपने स्वार्थों के कारण के आगे दुम हिलाने में भी संकोच नहीं कर रहा है।

उसकी हां में हां और झूठ में झूठ बोलकर पूरी दुनिया के आगे अपनी छवि खराब कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन चले संघर्ष के बाद सीजफायर लागू हो गया है। यह सीजफायर भारत की शर्तों पर लागू हुआ और सिंधु जल समझौता अभी भी सस्पेंड है। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी हरकत का हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। उधर, चीन सीजफायर को लेकर पाकिस्तान को शाबाशी दे चुका है और अब उसने भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा में पाकिस्तान की भाषा बोलनी शुरू कर दी है। चीन के मुखपत्र ने पाक सेना के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तान के साइबर हमले में भारत की 70 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीनी मीडिया भी इस दावे से इनकार नहीं कर रहा है। हालांकि भारतीय दूतावास ने इसे झूठा बताते हुए अपने आधिकारिक सिना वेइबो अकाउंट पर इसका खंडन किया। इससे पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा के लिए समर्थन की बात की। वांग ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण योगदान दिया है और चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। चीन का दोगला चेहरा इससे पता चलता है कि वह कुछ दिन पहले आतंकवाद की कड़ी निंदा कर चुका है। उसने कहा था वह किसी भी सूरत में आतंकवाद का समर्थन नहीं करता है।चीन ने अब एक बार फिर पाकिस्तान के पक्ष में बयान जारी किया है।

पहला कॉलम

भारत के पूर्व उच्चायुक्त पार्थसारथी ने कहा, असीम मुनीर एक कट्टरपंथी, उसका अंहकार टूटा

प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और तीनों सेना प्रमुख बधाई के पात्र

नई दिल्ली।

पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त जी पार्थसारथी ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बुद्धिमत्ता की प्रशंसा कर कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अपने दुस्साहस की कीमत चुकाई। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के बारे में पार्थसारथी ने कहा, समस्या यह है कि पाकिस्तान के पास अब मुनीर नामक एक सेना प्रमुख है। असीम मुनीर एक कट्टरपंथी है और मुनीर को व्यक्तिगत रूप से विश्वास था कि वह भारत से मुकाबला कर सकता है, इसलिए मुनीर सहित पूरे पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पार्थसारथी ने कहा कि शरीफ बंधु प्रधानमंत्री के रूप में सेना के युद्धों में फंस गए हैं। पूर्व भारतीय दूत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के अंदर बहुत सी सोच को जन्म देगा। उन्होंने कहा, (पाकिस्तानी) सेना पंजाबी है। इसमें न्यूनतम प्रतिनिधि हैं, या मुहाजेर, बलूच, सिंधी या कोई और। इसलिए, वे इसमें शामिल नहीं होने जा रहे हैं और वे पंजाबियों को दोषी ठहराने जा रहे हैं। यह अंदर ही अंदर होने वाला है, कम से कम राजनीतिक पक्ष में, और हमें बस दृढ़ रहना है। पार्थसारथी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक निर्णायक जीत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री से लेकर तीनों सेनाओं के प्रमुखों को बधाई दी जानी चाहिए, क्योंकि इस संघर्ष के लिए हमने तीनों सेनाओं, थल, वायु और नौसेना को तैनात किया है। और इसलिए यह युद्ध में सिर्फ़ सेना की जीत नहीं है, यह भारत के सभी सशस्त्र बलों और इसलिए भारत के लोगों की जीत है।

गुजरात में सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी पोस्ट करने पर 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गांधीनगर।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल के बीच भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी, नकारात्मक और मनोबल गिराने वाली पोस्ट करने वाले 14 व्यक्तियों के खिलाफ गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने ऐसे राष्ट्रविरोधी और घृणास्पद पोस्ट करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही राज्य के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय ने सोशल मीडिया पर सेना के मनोबल को कमजोर करने वाली राष्ट्र विरोधी, नकारात्मक और झूठी जानकारी, अफवाहों या पोस्ट पर नजर रखने, तुरंत मामला दर्ज करने और ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने के राज्य पुलिस को आदेश दिए थे7 गुजरात पुलिस की खुफिया शाखा और सोशल मीडिया निगरानी इकाई द्वारा ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। इस बीच, राष्ट्र-विरोधी, जन-विरोधी और सैन्य-विरोधी पोस्ट करने के आरोप में 14 व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें खेड़ा जिले में 2, भुज में 2, जामनगर, जूनागढ़, वापी, बनासकांठा, आणंद, अहमदाबाद, सूरत शहर, वडोदरा, पाटण और गोधरा जिलों में एक-एक समेत कुल 14 एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की गई है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत की तीनों सेनाओं ने जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने

दोबारा दुस्साहस किया तो अगली लड़ाई पिछली जैसी नहीं होगी

हम जब चाहें, जहां चाहें मार सकते हैं...

देश के कवच को नहीं भेद सकी चाइना मेड मिसाइलें, तुर्की के ड्रोन और पाक की मिराज

नई दिल्ली।

भारतीय वायुसेना के एयर मार्शल एके भारती ने सोमवार को एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ है, और यह दुखद है कि पाकिस्तान ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए युद्ध विराम समझौते के दो दिन बाद 12 मई को नई दिल्ली में आयोजित तीनों सेनाओं की जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में की। एयर मार्शल एके भारती ने कहा, यह एक अलग तरह का युद्ध था और ऐसा होना तय था। भगवान न करे, लेकिन अगर आगे कोई और लड़ाई होती है, तो वह पिछले से बिल्कुल अलग होगी। यह एक बिल्ली और चूहे का खेल है और हमें अपने विरोधी को मात देने के लिए उससे हमेशा एक अदम आगे रहना होगा। आर्मी से डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर पर जानकारी दी। भारत की तीनों सेनाओं ने जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दोबारा कोई दुस्साहस किया तो हम उस पर जब चाहे और जहां चाहे हमला कर सकते हैं। बता दें कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था। इसके अगले दो दिन 8 और 9 मई की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों से भारत पर हमला करने का असफल प्रयास किया। भारत ने अपने दमदार एयर डिफेंस सिस्टम के बलबूते न सिर्फ पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम कर दिया, बल्कि दुश्मन के 11 एयरबेसों पर सटीक हमला करके उसे बैकफुट पर ला दिया। भारत के हमले इतने सटीक और प्रभावी थे कि पाकिस्तान को सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से किए गए हमले में चाइनीज ओरिजन की मिसाइल शामिल थीं, इनमें लॉन्ग रेंज रॉकेट थे, यूए1 थे, चीनी ओरिजन के कुछ कॉप्टर्स और ड्रोन थे। इन्हें हमारे एयरडिफेंस सिस्टम ने मार गिराया।

हमारी लड़ाई आतंकियों से थी

एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तो हमने उसका जवाब दियासेना ने कहा, हम जरूरत पडने पर तैयार और तत्पर हैं एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि यह स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सभी मिलिट्री बेस, सिस्टम ऑपरेशनल हैं और जरूरत पडने पर तैयार और तत्पर हैं।

हमारे पायलट 24 घंटे अलर्ट मोड में थे

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि नौसेना सर्विलांस, डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने मल्टीपल सेंसर्स और इनपुट्स दिए। हमने उन खतरों को पहचाना, जिन्हें तुरंत न्यूट्रिलाइज्ड किया जाना था। ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी गई, ये एडवांस राडार के जरिए दी गई। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे। हमारे एयरक्राफ्ट कैरियर में मिग-29 एक्शन के लिए तैयार थे। संदिग्ध दुश्मन जहाज को कई सौ किमी पास आने का मौका हमने पास के सालों में नहीं दिया है।

तीनों सेनाएं ने मिलकर काम किया

आपने सुना होगा, जब हौसले बुलंद हों तो मंजिलें कदम चूमती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम कर रही थीं। हमारे 140 करोड़ भारतीय हमारे पीछे खड़े थे। इसके लिए हम आपको सैल्यूट करते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आज मैं इस युद्ध के अहम पहलू के बारे में बता रहा हूं। हमें एयर डिफेंस ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को समझने की आवश्यकता है। मैंने कल बताया था कि पिछले कुछ सालों में आतंक की गतिविधियों के कैरेक्टर में बदलाव आ रहा था।

पीएम मोदी ने देश की मां, बहनों, बेटियों को समर्पित किया सेना का पराक्रम

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि बीते कुछ दिनों में देश का शौर्य और संयम देखने को मिला। उन्होंने यह पराक्रम देश की माताओं, बहनों और बेटियों को समर्पित करते हुए सशस्त्र बलों को सलाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, पिछले कुछ दिनों में हम सभी ने अपने देश की शक्ति और संयम दोनों को देखा है।

मैं हर भारतीय की ओर से भारत की वीर सेनाओं, हमारे सुरक्षा बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को नमन करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को आज हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता दिखाई, उसने देश को झकझोर दिया।

छुट्टियां मना रहे लोगों को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर, उनके परिवार के सामने बेरहमी से मौत के घाट उतारा। इस घटना के बाद हमने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने के लिए सेना को पूरी छूट दी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को खत्म करने के लिए हमने भारतीय सशस्त्र बलों को पूर्ण अधिकार दिए हैं।

आज हर आतंकवादी और आतंकी संगठन हमारी बेटियों और बहनों की गरिमा और गौरव को नुकसान पहुंचाने की कोशिश के परिणामों को समझता है।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं है। यह देश की सामूहिक भावनाओं और लचीलेपन का एक शक्तिशाली प्रतीक है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमारे बहादुर सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए इन हमलों में सौ से अधिक खूंखार आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। पिछले ढाई-तीन दशकों से पाकिस्तान में खुलेआम भारत के खिलाफ साजिश रच रहे कई आतंकी मास्टरमाइंडों को भारत ने एक ही हमले में ढेर कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान गहरी निराशा और हताशा में डूब गया।

वह बौखला गया और इसी घबराहट में उसने एक और दुस्साहस करने की हिम्मत की।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का समर्थन करने की बजाय पाकिस्तान ने भारत को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया।

पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों, कॉलेजों, गुरुद्वारों, मंदिरों और आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया। उसने हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया।

लेकिन इसमें भी पाकिस्तान की पोल खुल गई। दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गए।

शहीद इम्तियाज के भाई ने कहा, पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए

पटना।

जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हुए बीएसएफ सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज का पार्थिव शरीर पटना लाया गया। पटना एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई, इसके बाद उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव नारायणपुर ले जाया जाएगा। जहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें सुपुर्दे-खाक किया जाएगा। इस मौके पर शहीद के भाई मो. असलम ने गुस्सा जाहिर कर कहा, पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए। वहीं, शहीद के बेटे इमरान ने दुखी होकर कहा, मुझे खबर मिली कि पापा घायल हुए हैं। लेकिन वे देश के लिए शहीद हो गए। मैं उनसे मिल भी नहीं सका। वीरगति को प्राप्त हुए मोहम्मद इम्तियाज के बेटे इमरान ने कहा, हम बस इतना ही कहना चाहते हैं कि हमें अपने पिता पर गर्व है और हम उन सभी शहीदों को नमन करते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया। शहीद मोहम्मद इम्तियाज के परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी शहादत की खबर से गांव में शोक की लहर है, लेकिन उनकी बहादुरी पर ग्रामीणों को गर्व भी है। पटना एयरपोर्ट पर श्रद्धांजलि समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री मंगल पांडे, श्रवण कुमार, कृष्ण कुमार मंटू, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, आरजेडी सांसद संजय यादव और मंत्री नितिन नवीन मौजूद रहे।

टूर ऑपरेटरों ने तुर्किये और अजरबैजान का किया बॉयकॉट, पाक का साथ देने का नतीजा भुगतेंगे दोनों देश

सूरत। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच भारतीय टूर ऑपरेटरों ने आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देश अजरबैजान और तुर्किए को लेकर बड़ा फैसला लिया है। टूर ऑपरेटरों ने भारत का समर्थन न करने वाले अज़रबैजान और तुर्किये का बॉयकॉट करने का ऐलान किया है7 सूरत में कई टूर ऑपरेटरों ने भी दोनों देशों की यात्राओं का स्वैच्छिक बहिष्कार करने की घोषणा की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारतीय टूर ऑपरेटरों ने आतंकी देश पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अजरबैजान और तुर्किये के खिलाफ कड़ा फैसला लिया है। भारतीय टूर ऑपरेटरों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अज़रबैजान और तुर्किये के टूर पैकेज रद्द कर दिए हैं। इस बीच सूरत में कई टूर ऑपरेटरों ने भी दोनों देशों की यात्राओं का स्वैच्छिक बहिष्कार करने की घोषणा की है।

फ्रांस और इजराइल ने पाकिस्तान को लताड़ा, तुम्हारी औकत नहीं हथियारों को मार गिराया

ऑपरेशन सिंदूर का खुलकर किया समर्थन

नई दिल्ली।

भारत की कूटनीति ताकत अब अपना असली रंग दिखा रही है। एक ओर पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वहीं दूसरी ओर दुनिया के बड़े बड़े मुल्क खुलकर भारत के समर्थन कर रहे हैं। इन देशों ने न सिर्फ भारत का साथ दिया बल्कि पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी दिया। लेकिन इन सब से इतर भारत के साथ डिप्लोमैटिक सपोर्ट और फिर राफेल पर झूठ फैलाने वालों को जवाब दिया गया। फ्रांस ने कहा कि हमारे पास कोई जानकारी नहीं कि कोई राफेल गिराया गया है। फ्रांस ने कहा कि भारत का ऑपरेशन आतंक के खिलाफ है और पूरा समर्थन के लायक है। फ्रांस ने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का साथ देकर साबित कर दिया कि वहां सिर्फ हथियार बेचने वाला नहीं बल्कि भारत का सच्चा सहयोगी देश है। पाकिस्तानी सेना ने झूठा दावा किया कि भारतीय वायुसेना के पांच विमानों को मार गिराया है, इसमें तीन फ्रांसीसी निर्मित राफेल भी शामिल हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने बताया कि पहले भारतीय हवाई हमलों के प्रतिशोध में पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के भीतर से इन विमानों को निशाना बनाया गया। वहीं पाक पीएम ने राफेल को मार गिरने की जानकारी का सोर्स सोशल मीडिया बताया था। भारत और इजरायल का रिश्ता नया नहीं है। लेकिन इस बार इजरायल ने केवल हथियार नहीं दिए बल्कि खुलकर साथ दिया। इजरायल ने कहा कि हेरोन ड्रोन और बराक 8 जैसे हथियारों का भारत ने प्रभावी इस्तेमाल किया। इससे पाकिस्तान की कमर टूट गई। पाकिस्तानी मीडिया और मुनीर की सेना ये मान रही है कि इजरायली हथियारों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने फतह-2 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, इस भारत के बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने सिरसा में रोक दिया। बराक-8 भारत व इजराइल के सहयोग से तैयार लंबी दूरी वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने तैयार किया है। डीआरडीओ के अनुसार, इसमें 70 प्रतिशत टेक्निक भारत की है।

बराक- 8 मध्यम दूरी के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी शिप मिसाइल, ड्रोन के साथ-साथ क्रूज मिसाइलों और अन्य हवाई खतरे को नष्ट करने में सक्षम है। इसकी मारक क्षमता 70 से 100 किमी तक है। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल में अधिक उन्नत खोज की सुविधा और लंबी दूरी तक जाने की क्षमता है।

10 लाख का इनामी खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

संदिग्ध दस्तावेज और सामान बरामद

पटना।

बिहार की मोतिहारी पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने संयुक्त कार्रवाई में खालिस्तानी आतंकी कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब का वांटेड आतंकी कश्मीर सिंह मोतिहारी में छिपा हुआ है। इसके बाद नगर थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई, जिसमें आतंकी को दबोच लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आतंकी के पास से कई संदिग्ध दस्तावेज और सामान बरामद किए गए हैं। जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है, जो यह पता लगा रही है कि आतंकी मोतिहारी कैसे पहुंचा और स्थानीय स्तर पर किससे संपर्क में था। एनआईए ने 2023 में कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर सिंह पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। वह देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों और हिंसक साजिशों को अंजाम देने के आरोप में वांछित था।

कांग्रेस नेता डोटासरा ने कहा, केंद्र बताए अमेरिका से मध्यस्थता क्यों करवानी पड़ी?

जयपुर।

राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीजफायर के मुद्दे पर अमेरिकी हस्तक्षेप पर मोदी सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता डोटासरा ने कहा कि हमारी सेना ने वीरता का परिचय देकर पाकिस्तान को घुटने पर लगा दिया था। लेकिन इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट करके युद्ध विराम की घोषणा की। ट्रंप ने कश्मीर के मामले को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुलझाने की बात कही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश जानना चाहता है कि केंद्र को अमेरिका से मध्यस्थता क्यों करवानी पड़ी? इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। डोटासरा ने कहा कि देश का कोई भी नागरिक कतई स्वीकार नहीं कर सकता कि कश्मीर के मामले में कोई तीसरा देश हस्तक्षेप करे, यह पूरी तरीके से सरकार के ऊपर सवाल खड़े करता है। देश के सभी राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि भी जानना चाहते हैं कि अमेरिका के किस दबाव के चलते सीजफायर की बात माननी पड़ी? जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे तब एक के बदले सौ सिर लाने की बात करते थे। गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बार-बार पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलाने की बात करते थे, आज वे इस मसले पर क्यों चुप हैं, ऐसी क्या नौबत आई कि अमेरिका की बात माननी पड़ी? डोटासरा ने जयपुर में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पार्टी प्रदेशाध्यक्षों को नहीं बुलाए जाने पर सवाल उठाए। डोटासरा ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में सत्ताधारी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को नहीं बुलाया। सरकार में पूरी तरीके से ब्यूरोक्रेट हावी है, जो नहीं चाहते कि सर्वदलीय बैठक में सभी को बुलाया जाए। डोटासरा ने कहा कि समय रहते भजनलाल सरकार को इसकी सुध लेनी चाहिए, क्योंकि जिस तरह से सरकार में नौकरशाह हावी है, मंत्रियों की नहीं चल रही है उससे आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश पनप सकता है।

पांच दिन में सवाई मानसिंह स्टेडियम को दूसरी बार मिली बम से उड़ानें की धमकी

जयपुर।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को फिर बम से उड़ानें की धमकी मिली है। सोमवार को खेल परिषद के ईमेल पर धमकी मिली। मेल में लिखा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। खेल परिषद के अधिकारियों ने मेल के बारे में पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इस के बाद पुलिस टीम, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता सहित कई टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंची है। सर्च ऑपरेशन जारी है। स्टेडियम के मुख्य मैदान, स्टेडियम में बने हॉस्टल, खेल परिषद के ऑफिस और आरसीए एकेडमी में भी सर्च ऑपरेशन जारी है। अब तक की जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। खेल विभाग के सचिव और राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरपर्सन नीरज कुमार पवन ने कहा कि 5 दिन में दूसरी बार सवाई मानसिंह स्टेडियम में बम होने की धमकी मिली है। इसके बाद स्टेडियम को खाली करवा कर सघन सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। जो शाम तक जाती रहेगा। इस दौरान स्टेडियम में खिलाड़ियों की और कर्मचारियों का प्रवेश बंद रहेगा। अब तक किसी भी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। लेकिन एंटी बम स्क्वाड और पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार सर्च जारी है। एसएमएस स्टेडियम को 8 मई को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। खेल परिषद के अध्यक्ष पवन ने बताया कि सुबह 9:13 पर ईमेल आया था। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा, तब उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा- ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस

स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। एसएमएस स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग को सर्च किया गया था। सर्च के दौरान कुछ भी नहीं मिला था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717